उ.प्र. में रक्षा विनिर्माण एवं नवीन उद्यम (स्टार्ट–अप) की नई नीतियाँ शीघ्र घोषित होंगी

राज्य सरकार पूरे प्रदेश में संतुलित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे रही है: प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास, श्री महेश कुमार गुप्ता

आगरा, 5 जनवरी 2016:

आगरा में आयोजित उ.प्र. प्रवासी दिवस के दूसरे दिन आज राज्य में निवेश पर केन्द्रित सत्र में प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, श्री महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि उ.प्र. सरकार जल्दी ही नई रक्षा विनिर्माण और नवीन उद्यम (स्टार्ट–अप) नीतियां घोषित करेगी।

उन्होंने कहा कि अवस्थापना विकास, उद्योगपरक माहौल, व्यवसायो का वित्त पोषण औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक है। पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास के लिए जरूरी सभी पक्षों पर विशेष ध्यान दिया है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि राज्य सरकार विद्युत की निर्बाध आपूर्ति के लिए सभी प्रयास कर रही है और 2017 के अन्त तक राज्य विद्युत आपूर्ति में स्वावलम्बी बन जाएगा। इसी प्रकार उद्यम व व्यवसाय स्थापना में आवश्यक प्रक्रियाओं के सरलीकरण (Improvement in Ease of Doing Business) का काम चल रहा है। इस दिशा में उद्योग बन्धु से संचालित सिंगल विण्डो को उच्चीकृत किया जा रहा है।

'उम्मीदों का प्रदेश' थीम पर असोजित सत्र में बोलते हुए, श्री गुप्ता ने कहा कि सरकार न केवल नये विकास केन्द्र, जैसे– ट्रांस–गंगा हाईटेक सिटी, सरस्वती हाईटेक सिटी, प्लास्टिक सिटी तथा आईटी सिटी स्थापित कर रही है, बल्कि पारम्परिक औद्योगिक केन्द्रो को बढ़ावा दे रही है।

श्री गुप्ता ने कहा कि मुम्बई निवेश सम्मेलन के बाद नोएडा क्षेत्र के अतिरिक्त राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने नये उद्यमियों के लिए इन्क्यूबेशन सेन्टर की आवश्यकता पर बल दिया।

कैफे बडी फूड्स के चैयरमैन श्री पी के गुप्ता ने कहा कि खाद्य–प्रसंस्करण क्षेत्र की राज्य में असीम सम्भावनाएं हैं। इससे न केवल रोज़गार सृजन होगा बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमों का विकास होगा।

लावा इण्टरनेशनल लि. नोएडा के चेयरमैन व प्रबन्ध निदेशक– श्री हरि ओम राय ने कहा कि भारत तेजी से निवेश के नये गन्तव्य के रूप में उभर रहा है, और देश में उत्तर प्रदेश निवेशकों का पसंदीदा राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में निर्माण व श्रम की कम लागत के फलस्वरूप देश को लाभ हो सकता है। लॉजिस्टिक्स और अवस्थापना विकास पर बल देते हुए श्री राय ने कहा कि जिन शहरों में ये दोनों होंगे वहाँ विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश आएगा।

एमिटी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष श्री अशोक चौहान ने कौशल विकास पर विशेश बल देते हुए कहा कि व्यवसायिक शिक्षा को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप बदलना होगा। इंजिनीयरिंग कॉलेजों में परीक्षणशालाओं की स्थापना पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि इनमें अप्रशिक्षित युवाओं को ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।